दशम माला, खंड 15, अंक 24

शनिवार, 8 अगस्त, 1992
17 श्रावण, 1914 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

का

हिन्दी संस्करण

चौथा सत्र
(दसवीं लोक सभा)

(खंड 15 में अंक 21 से 31 तक है)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपये

[अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी । उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जायेगा ।]

विषय सूची

संसद भाला, खंड 15, चौथा सत्र, 1992/1914 (शक)

अंक 24, शनिवार, 8 अगस्त, 1992/17 श्रावण, 1914 (शक)

विषय	पृष्ठ
भारत छोड़ो आन्दोलन की 50वीं वर्षगांठ तथा स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बारे में संकल्प	1

लोक-सभा

शनिवार, 8 अगस्त, 1992/17 श्रावण, 1914 (शक)

लोक सभा 12.15 म० प० पर समवेत हुई।

[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए]

भारत छोड़ो आन्दोलन की 50वीं वर्षगांठ तथा स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बारे में संकल्प

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : यह सभा राष्ट्रपति महात्मा गांधी से नेतृत्व में चलाये गये "भारत छोड़ो आन्दोलन" की 50वीं वर्षगांठ के पुनीत अवसर पर विदेशी शासन से मुक्ति हेतु दृढ़ निश्चय, निर्भीकता साहस तथा बलिदान की भावना के साथ एकजुट होकर संघर्ष के लिए महात्मा गांधी द्वारा किये गये आह्वान का स्मरण करती है। यह वर्षगांठ निर्धन, कमजोर तथा दलितों की पीड़ाओं को दूर करने के अधूरे पड़े उनके कार्य को पूर्ण करने के हमारे दायित्व का बोध कराती है।

यह सभा मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के एकमात्र उद्देश्य की प्राप्ति में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से, प्रत्येक आयु, जाति तथा धर्म के करोड़ों व्यक्तियों, जिनके सर्वोत्कृष्ट प्रयासों के परिणामस्वरूप हमें आजादी तथा प्रतिष्ठा प्राप्त हुई, द्वारा भोगी गई पीड़ाओं और किये गये बलिदान को पूर्ण कृतज्ञता से स्मरण करती है। उन्हें हार्दिक एवं आदरपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

देश की अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने का संकल्प लेती है, तथा विश्व शांति, एकता, सहयोग तथा एकात्मकता के लिए सकारात्मक एवं प्रभावी भूमिका का निर्वाह करते हुये और घृणा, मतभेद, शत्रुता, दमन व शोषण-मुक्त विश्व के निर्माण के लिए सहिष्णुता, सद्भाव तथा अहिंसा की प्राचीन भारतीय परम्परा से प्रेरित होकर शांतिपूर्ण, समृद्ध जीवन्त तथा आधुनिक भारत के निर्माण के प्रति स्वयं को जनता की सेवा में पुनः समर्पित करती है।

संकल्प सर्वसम्मति से पारित हुआ।

अध्यक्ष महोदय : मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे दो मिनट का मौन रखें।

सदस्य दो मिनट तक मौन खड़े रहे।

अध्यक्ष महोदय : अब सभा सोमवार 10 अगस्त, 1992 के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित होती है।

12.18 म० प०

तत्पश्चात् लोक सभा सोमवार 10 अगस्त, 1992/19 श्रावण, 1914 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

मुद्रक : चौहान प्रिंटिंग प्रैस, गली नं० 17, ब्रह्मपुरी, दिल्ली-53